



54 वां आईजीएचएफ दिल्ली मेला- ऑटम 2022

प्रेस विज्ञप्ति- 16 अक्टूबर 2022

माननीय श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन मंत्री,
मध्यप्रदेश सरकार, मध्य प्रदेश सरकार के अधिकारियों की टीम के साथ किया
दौरा

सस्टेनेबल इनोवेशन्स और भारतीय शिल्पियों ने भारत के सतत नवाचार और भारतीय
कारीगर शिल्प ने उत्पादों की जीवंत श्रृंखला पेश की
समावेशी पैनल चर्चा ने सस्टेनेबल और उत्तरदायी शिल्प प्रथाओं, रिन्यूएबल और जीरो
वेस्टेज पर ज्ञान साझा किया

आगामी सीजन के रुझानों को दर्शाने वाले रैंप शो प्रमुख आकर्षण साबित हुए, उमड़ी
भीड़

ग्रेटर नोएडा - 16 अक्टूबर 2022 - 16 विस्तृत हॉल में और 12 श्रेणियों में विस्तृत रूप से फैली उत्पाद
श्रेणियों के साथ, इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट आयोजित आईएचजीएफ दिल्ली फेयर-ऑटम 2022
अपने परंपरागत सरक्षकों के साथ ही पहली बार मेले में आए व्यवसायिक आगंतुकों को प्रेरित और
उत्साहित करना जारी रख रहा है। यहां आने वाले आगंतुक निर्माताओं से मिलते हैं, एक मंच पर इकट्ठा
होते हैं, भारत-विभिन्न भौगोलिक स्थानों के साथ देश- भर में फैले शिल्प क्षेत्रों और उत्पादन समूहों के एक
क्रॉस सेक्शन से मिलते हैं। निर्माता उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और प्रचुर मात्रा में कच्चे माल के
आधार से बने उत्पादों से प्रेरणा लेकर निर्माण करते हैं।

यह मेला इनोवेशन और हैंडीक्राफ्ट फ्यूजन के साथ जीवंत बना हुआ है। सदाबहार क्लासिक्स से लेकर
आधुनिकतम प्रभावों तक, संक्रमणकालीन तत्वों से लेकर प्रकृति और रोजमर्रा की जिंदगी से प्रेरित सरल
लेकिन आश्चर्यजनक शिल्प जैसे तत्व मेले के आवश्यक पहलू है। आधुनिक, दिशात्मक और असामान्य

मध्यम से हाई एंड गिफ्ट और कलेक्टिबल्स में व्यापक विकल्प के साथ, नवीनता, सामग्री, डिजाइन, मूल्यवर्धन, उपयोगिता और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण पर जोर दिया गया है।

आईएचजीएफ दिल्ली मेले में उत्पाद की पेशकशों में सस्तेनेबिलिटी सबसे प्रमुख तत्व है। प्रदर्शकों और आपूर्तिकर्ताओं से पर्यावरण के अनुकूल होम, लाइफ स्टाइल, फैशन, वस्त्र और फर्नीचर उत्पादों में एक बड़ी विविधता है जो एक अधिक सस्तेनेबल और नैतिक भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अपनी ओर से प्रयास कर रहे हैं। आज, जबकि भारत में कई स्थापित खिलाड़ियों (निर्माताओं/निर्यातकों) ने सामाजिक और साथ ही पर्यावरण के अनुरूप और उनका अनुपालन करने और उत्तरदायी होने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं, जो प्रमाणित हैं, ऐसे कई कारीगर और निर्माता हैं जिनका व्यवसाय मॉडल की प्राथमिकता सस्तेनेबिलिटी है। वे मेले में, कपास और जूट लाइफस्टाइल के सामान, प्राकृतिक रंगों का उपयोग करते हुए हाथ से पेंट किए गए हस्तनिर्मित शिल्प परिधान, कागज के साथ बेकार कपड़े का उपयोग कर शिल्प, प्रकृति के साइक्लिक परिवर्तनों के दौरान प्राप्त लोटस स्टेम फाइबर से बने फैशन के सामान, अहिंसा (अहिंसक) रेशम स्कार्फ लाए हैं। स्टोल और बैग, रिवर रीड (कौना घास) टेबल एक्सेसरीज़ और बहुउद्देश्यीय बैग, बांस के फ्लास्क और बांस के तिनकों से बना ट्रेवल मग, बेंत और बांस से बने घर की सजावट की वस्तुएं और फर्श की चटाई आदि भी मेले की शोभा बढ़ा रहे हैं।

विभिन्न देशों के खरीदार पहले ही इसमें प्रतिभाग कर चुके हैं। अमरीका से आई सारा यहां हैंडबैग, किचन के लिए टेक्सटाइल और महिलाओं के परिधान खरीदने की इच्छुक हैं। उन्होंने साझा किया "हम मेले में आपूर्तिकर्ताओं और उत्पादों के संग्रह को देखकर खुश हैं और हमें यहां उपयोगी व्यावसायिक कनेक्शन मिलने की उम्मीद है। इस साल भारत से हमारा आयात अच्छा दिख रहा है!" इस मेले में तीसरी बार शामिल हो रही है। ऑस्ट्रेलिया की क्रिस्टीन भारत से फैशन के सामान और एंटीक फर्नीचर खरीदती है। उन्होंने कहा, "मेला हमें अद्भुत अवसर प्रदान करता है और हमें यकीन है कि हमारा यहां आकर लगाया गया समय पूरी तरह उत्पादक और उपयोगी होगा।" यूके के डैन हेसम ने कहा कि वह उत्पादों, उनकी गुणवत्ता और उचित मूल्य निर्धारण से प्रभावित हैं।

आज आईएचजीएफ दिल्ली मेले का दौरा मध्यप्रदेश सरकार के औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने किया। उन्होंने ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री राज के मल्होत्रा; ईपीसीएच के महानिदेशक और अध्यक्ष, आईईएमएल श्री राकेश कुमार; श्री अवदेश अग्रवाल, प्रेजिडेंट आईएचजीएफ दिल्ली फेयर ऑटम'22 स्वागत समिति; ईपीसीएच के प्रमुख सदस्य निर्यातक; से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मध्य प्रदेश में विशेष रूप से सूक्ष्म उद्यमों विशेषकर हस्तशिल्प एवं पारम्परिक उत्पाद के लिए व्यापार को बढ़ावा देने के अवसरों का पता लगाने की संभावनाओं पर विचार किया।

आज आयोजित 'सस्टेनेबिलिटी एंड सर्कुलरिटी - हाउ वेस्ट कैन भी यूटिलाइज्ड टु जेनरेट वैल्यू' विषय पर पैनल चर्चा में सामाजिक उद्यमों के संस्थापकों, अपशिष्ट अप-साइकिलिंग प्रौद्योगिकीविदों के साथ-साथ फैशन फ्रॉम वेस्ट, औद्योगिक अपशिष्ट सामग्री के उपयोग को फिर से तैयार करने, पारंपरिक शिल्प के ज्ञान और कौशल को आधुनिक सामग्रियों के साथ जोड़ने जैसे मुद्दों को बढ़ावा देने वाले पेशेवर और प्रख्यात वक्ता शामिल हुए। उन्होंने आज के पर्यावरण से संबंधित मुद्दों पर विचार किया और यह भी इंगित किया कि कैसे हस्तशिल्प उद्योग बर्बादी को कम करने के लिए विवेकपूर्ण तरीके से संसाधनों का उपयोग करने में कदम से कदम मिलाकर काम कर सकता है। पैनल ने सर्कुलर इकोनॉमी के महत्व पर चर्चा की, कचरे तक पहुंच और अपशिष्ट आपूर्ति श्रृंखला को समझना, शिल्प के माध्यम से मूल्य बनाने के लिए कचरे का उपयोग करना, अप-साइकिल शिल्प आपूर्ति श्रृंखला, अनौपचारिक श्रमिकों के साथ काम करना, इनोवेशन, में सरकार की भूमिका के साथ ही उपलब्ध विकल्पों पर भी चर्चा की। 'सस्टेनेबल जेड ईडी सर्टीफिकेशन बेनिफिट्स फॉर हैंडीक्राफ्ट्स मैन्यूफेक्चरर्स एंड एस्पॉर्टर्स'; 'कॉन्शस एंड कंटीन्यूअस इंप्रैवमेंट टुवर्ड्स नेट जीरो' विषयक सेमिनारों को वरिष्ठ सलाहकारों ने संचालित किया और इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। आने वाले सीज़न के लिए कई नए संग्रह प्रदर्शित करने वाली रैंप प्रस्तुतियां को दर्शकों बहुत प्यार मिला। इस आयोजन ने भीड़ को आकर्षित करना जारी रखा।

इस अवसर पर ईपीसीएच के महानिदेशक और आईईएमएल के चेयरमैन डॉ. राकेश कुमार ने सूचित किया कि ईपीसीएच दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 33253.00 करोड़ (4459.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा, जिसमें बीते वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 29.49% और डॉलर के संदर्भ में 28.90% की वृद्धि दर्ज हुई है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

श्री राकेश कुमार, महानिदेशक- ईपीसीएच और अध्यक्ष - आईईएमएल- +91-9818272171

54th IHGF Delhi Fair-Autumn 2022

PRESS RELEASE – 16th October 2022

SHRI RAJWARDHAN SINGH DATTIGAON, MINISTER OF INDUSTRIAL POLICY & INVESTMENT PROMOTION, GOVT. OF MADHYA PRADESH VISITS WITH TEAM OF MP GOVT. OF OFFICIALS

Sustainable Innovations and Artisanal Crafts of India offer Vibrant Product Propositions

Engaging Panel Discussion Shares Knowledge on Sustainable & Responsible Craft Practices, Renewables and Zero Wastage, Ramp Shows Displaying Trends for Upcoming Seasons among Crowd Pullers

Greater Noida – 16th October 2022 - With 12 well spread product categories in 16 expansive halls at the India Expo Centre & Mart, IHGF Delhi Fair-Autumn 2022, continues to inspire and enthuse its patrons and first time trade visitors as they meet makers, gather inspirations and source creations from a cross section of craft regions and production clusters spread across India with varied geographical locations, have brought in, their distinct cultural identity and products made from an abundant raw material base.

The fair is alive with innovations and handcrafted fusions traversing from timeless classics to modern influences, transitional elements to simple yet surprising lines inspired by nature and everyday life. With a wide-ranging choice in modern, directional and unusual medium to high-end gifts and collectibles, the emphasis is on novelty, material, design, value addition, utility and competitive pricing.

Sustainability continues to be at the forefront of the product offerings at the IHGF Delhi Fair. There is a large variety in eco-friendly home, lifestyle, fashion, textiles and furniture products from exhibitors and suppliers that are striving to do their part to ensure a more sustainable and ethical future. Today, while many established players (manufacturers/exporters) in India have taken decisive steps to be socially as well as environmentally responsible and compliant, and are certified, there are many artisans and manufacturers whose business model is essentially about sustainability. They have brought to the fair, cotton & jute lifestyle accessories, hand painted artisanal apparel using natural colourants, quilling crafts using

waste cloth with paper, fashion accessories made from Lotus stem fibers derived during nature's cyclic changes, ahimsa (non-violent) silk scarves, stoles and bags, river reed (kauna grass) table accessories and multi-purpose bags, bamboo flasks and travel mugs with bamboo straws, cane & bamboo home decoratives and floor mats, etc.

Buyers from many countries have already visited the show. Sara from USA is here to source handbags, textiles for kitchen and women's apparel. "We are glad to see the collection of suppliers and products in the fair and hope to make useful business connections here. Our imports from India look good this year!" she shared. "The fair provides us with amazing opportunity and we look forward to have a productive time," said Christine from Australia who is on her third visit to this fair. She buys fashion accessories and antique furniture from India. Dan Haysom from UK said he is impressed with the products, their quality and reasonable pricing.

IHGF Delhi Fair was visited today by Shri Rajvardhan Singh Dattigaon, Minister of Industrial Policy & Investment Promotion, Govt. of Madhya Pradesh. He met with Mr. Raj K Malhotra, Chairman, EPCH; Mr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH & Chairman, IEML; leading member exporters of EPCH; to explore opportunities for promoting business in Madhya Pradesh, especially for micro enterprises with focus on handcrafted traditional products.

The Panel Discussion on 'Sustainability and Circularity – How waste can be utilized to generate value' held today had eminent speakers like founders of social enterprises, waste up-cycling technologists as well as professionals promoting fashion from waste, remodeling the use of industrial waste materials by combining the knowledge and skills of traditional crafts with modern materials. They opined on pressing issues concerning the environment today and how the handicrafts industry can work in sync to use resources judiciously to reduce wastage. The panel discussed on importance of circular economy, accessing waste and understanding the waste supply chain, using waste to create value through craft, role of the government in the up-cycled crafts supply chain, working with informal workers, innovation, as well as support available. Seminars titled, Sustainable ZED Certification Benefits for Handicrafts Manufacturers & Exporters; and Conscious and continuous improvement towards NET ZERO, conducted by senior consultants were well attended. Ramp Presentations showcasing several new collections for seasons ahead, continue to draw crowds.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as reliable supplier of high

quality of handicrafts goods & services. The Handicrafts exports during the year 2021-22 was Rs. 33253.00 Crores (US \$ 4459.76 Million) registering a growth of 29.49% in rupee term & 28.90% in dollar terms over the previous year, informed by Mr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH & Chairman IEML.

For more information, please contact :

MR. RAKESH KUMAR, DIRECTOR GENERAL– EPCH & CHAIRMAN - IEML- +91-9818272171

Encl: English & Hindi Version alongwith photos attached



Photo 1 & 2- Shri Rajvardhan Singh Dattigaon, Hon'ble Minister of Industrial Policy and Investment Promotion Department, Government of Madhya Pradesh visited 54th edition IHGF Delhi Fair Autumn'2022 and interacted with the artisan & exhibitors.



Photo 3- Exhibitors participating awareness seminar on Panel Discussion on - Sustainability and Circularity:- How waste can be utilized to generate value', 'Sustainable ZED Certification Benefits for Handicrafts Manufacturers & Exporters and 'Conscious & continuous improvement towards NET ZERO' organized during 54th edition of IHGF Delhi Fair Autumn'2022 held at IEML, Greater Noida



Photo 4: Overseas Buyers sourcing handcrafted and decorative products during 54th IHGF Delhi Fair Autumn'22 held at IEML, Greater Noida.